(क) क्या यह सच है कि 4 जुलाई 1967 को पूर्व रेलवे में आसनसोल स्थित मण्डल अधीक्षक (डिवीजनल सुपरिन्टेंडेंट) के कार्यालय के एक कर्मचारी के शव को वामपन्थी साम्यवादियों ने जबरदस्ती जला दिया था; और

(ख) यदि हां, तो इस घटना का ब्यौरा क्या है ?

रेलवे मंत्री (श्री के० मु० पुनाचा) : (क) और (ख) जी नहीं। सही स्थिति यह है कि 29–6–67 को आसन सोल लोको शेड के एक कर्मचारी को लोको शेड में काम करते समय एक दुर्घटना मे घातक चोट आयी और 2–7–67 को अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गयी। 3–7–67 को श्री महादेव मुकर्जी (नगर पार्षद भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी) और मण्डल कार्यालय आसनसोल के एक निलम्बित क्लर्क के नेतृत्व में लोको कर्मचारियों ने मण्डल अधीक्षक के कार्यालय के अहाते में उसके शव का जलूस निकाला। मण्डल अधीक्षक अपने कार्यालय से बाहर आये, उन्होंने मृतक के प्रति अपनी श्रद्धांजलि प्रकट की और उसके परिवार को सभी सम्भव सहायता का आश्वासन दिया। लेकिन उपयुक्त व्यक्तियों ने मांग की कि मामले की न्यायिक जांच की जाये और लोको फोरमैन आसनसोल को तुरन्त निलम्बित किया जाये। लेकिन मण्डल अधीक्षक ने उनकी मांगों के बारे में तब तक कोई भी वचन देने में अपनी असमर्थता प्रकट की जब तक कि दुर्घटना के कारणों की जांच करने के लिए स्थापित की गयी जांच समिति के निष्कर्ष उन्हें प्राप्त नहीं हो जाते। जलूस में आये लोग इससे सन्तुष्ट नहीं हुए और उन्होंने घोषणा की कि यदि उनकी मांगें उसी दिन अर्थात 3-7-67 को 16 घंटे के अन्दर, अन्दर न मानी गयी तो वह मण्डल अधीक्षक कार्यालय के अहाते में ही उस शव को दफना देंगे। फलतः उन्होंने शव को मण्डल अधीक्षक के कार्यालय के अहाते में दफना दिया। लेकिन बाद में सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट के आदेश के उस शव को वहां से निकाल लिया गया और 4-7-67 को लगभग 22 30 बजे पुलिस उसे वहां से हटा ले गयी। भारतीय दण्ड संहिता की धारा 147/341/342/448 के अधीन आसनसोल पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है। 5 रेल कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जा रही है।

### रेलवे कर्मचारियों के बच्चों को स्कूल की यूनिफार्म निःशुल्क देना

6472. श्री मीठा लाल मीना: क्या रेलवे मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि .

(क) क्या यह सच है कि कुछ समय पहले यह निर्णय किया गया था कि 250 रु० मासिक से कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों के रेलवे के प्राथमिक स्कूलों मे पढ़ने वाले बच्चो को तीन सुती और एक ऊनी यूनीफार्म निशुल्क दी जायगी;

(ख) क्या यह भी सच है कि कि अब केवल दो सुती यूनीफार्म दी जा रही है और ऊनी यूनिफार्म कई वर्षों के बाद दी जाती हैं और उसका मिलना भी निश्चित नहीं है;

(ग) क्या यह भी सच है कि पांचवीं कक्षा के विद्यार्थियों को यह यूनिफार्म बिल्कुल नहीं दी जाती है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ?

रेलवे मंत्री (श्री के० मु० पुनाचा) : (क) जी हां, लेकिन यह सुविधा उन्हीं कर्मचारियों को दी गयी है जिनका वेतन 225 रुपये प्रति माह तक है न कि 250 रुपये प्रति माह तक।

(ख), (ग) और (घ) के बारे में रेलों से सूचना मंगायी जा रही है।